TGT – Hindi

कैदी और कोकिला

प्रश्न १- कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रया थी?

उत्तर १- अंग्रेजों के अन्याय, अत्याचार और यातनाओं को सहने वाला कवि जब कोयल की कूक को सुनता है तो उसमें निहित जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि कोयल किसका संदेश लेकर आई है और क्यों लाई है और वह कवि जैसे कैदियों से क्या उपेक्षा करती है।

प्रश्न २- कवि ने कोकिला के बोलने के किन कारणों की संभावना बताई है?

उत्तर २- कवि ने कोकिला के बोलने की निम्नलिखित संभावनाएँ बताई है -

- उसे लगता है कि कोयल किसी का संदेश लेकर आई है।
- कैदी की व्यथा को देखकर उसके प्रति संवेदना जताने आई है।
- कैदी के एकाकी व उदास जीवन में प्रेरणा का संचार करने आई है।
- मधुरता के ऐश्वर्य से परिपूर्ण कोयल समाज की व्यथा को देखकर, चिल्ला-चिल्लाकर उस अन्याय के प्रति अपने आक्रोश को व्यक्त करती है।
- कवि को लगता है कि कोयल ने जंगल की आग देख ली है जिसकी प्रतिक्रया स्वरूप वह कूक रही है।
- लोहे की जंजीरों में जकड़े तथा कोल्हू के बैल की जगह जुते हुए कैदियों को देखकर कोयल उनके प्रति करुणा का भाव जगाने आई है।
- अपने मधुर क्रंदन द्वारा कोयल विद्रोह के बीज बो रही है।
- युद्ध का बिगुल बजाने आई है।
- आशा के स्वर को मुखरित कर अपने गीतों द्वारा कैदी के संकटों को दूर करना चाहती है।

- लेखक को अपनी कृति द्वारा, अपने लेख द्वारा, जन-जन को जागृत करने का आह्ववान करने आई है।

प्रश्न ३- किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है?

उत्तर ३- ब्रिटिश शासन की तुलना अंधकार से की गई है क्योंकि वह अंधकार, पाप, अन्याय व अत्याचारों का प्रतीक है तथा बुरी प्रवृतियाँ व विचार अंधकार में ही पनपते हैं। अंग्रेजों का शासन इन सब बुराइयों से परिपूर्ण था। अंधकार व पाप की तरह उनके अन्याय भारतीयों पर बढते चले गए। भारतीयों को दमित करने के लिए वह अन्याय से परिपूर्ण नीतियाँ बनाते जिस कारण भारतीयों की सिसकियाँ दूर-दूर तक सुनाई देती थी।

प्रश्न ४- कविता के आधार पर पराधीन भारत की जेलों में दी जाने वाली यंत्रणाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर ४- स्वतंत्रता सेनानी अंग्रेजों के अत्याचारों के केंद्र बिंदु थे। अंग्रेजों ने अपनी मानवता को त्यागकर कैदियों को लोहे की जंजीरों का आभूषण पहनाया। समाज और उनके बीच के तारतम्य ने उन्हें एकाकी जीवन जीने के लिए बाधित कर दिया, उनके घावों पर मरहम नहीं नमक लगाया और उनके मनोबल को तोड़ा। पशुओं की जगह कैदियों को हाँका गया तथा गालियों द्वारा उनका अपमान किया गया।

प्रश्न ५- भाव स्पष्ट कीजिए।

(क) "मृदुल वैभव की रखवाली"

(क) प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि आज के आक्रोश, हिंसा व तनाव भरे वातावरण में केवल कोयल के पास ही मधुरता का ऐश्वर्य है। मनुष्य दुनियावी बातों व अपनी पराजय से इतना व्यथित है कि कटुता के अतिरिक्त उसके पास कुछ शेष नहीं है। ऐसे में प्रकृति का उपहार बन एकमात्र कोयल ही मधुरता के ऐश्वर्य को समेटे हुए है अर्थात कोयल की मीठी आवाज़ सुनकर हमें आज ये अहसास होता है कि रिश्तों की मिठास हमारे जीवन में मधुरता का संचार कर सकती है और व्यक्ति के हिंसा, तनाव व आक्रोश का समाधान भी मधुर आवाज़ में छिपा है।

(ख) हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जुआ, खाली करता हूँ बिटिरा अकड़ का कुँआ।

(ख) प्रस्तुत पंक्ति का भाव वह है कि अत्याचारों का शिकार बने कैदियों को कोल्हू के बैल की तरह जोता जाता था अर्थात उनके साथ पशुओं की तरह व्यवहार किया जाता था। अंग्रेजों के अत्याचारों को स्वतंत्रता प्राप्ति की कसौटी मानकर इन आज़ादी के परवानों ने उनके हर अत्याचार को सहन कर अंग्रेजों के गर्व को चकनाचूर कर दिया क्योंकि शायद उन्हें अपनी शक्ति पर अभिमान था और यह पूरा विश्वास था कि भारतीय उनके अत्याचारों से तंग आकर हथियार डाल देंगे अर्थात उनकी गुलामी को स्वीकार कर लेंगे। परंतु स्वतंत्रता सैनानियों ने उनके हर ज़ुल्म को सहकर ब्रिटिश साम्राज्य को खुली चुनौती दी। अपने प्राणों को उत्सर्ग कर आदर्श स्थापित किया। अंग्रेजों के बंधन स्वतंत्रता सैनानियों के **'मुक्त भारत का सपना'** साकार कर गए।

प्रश्न ६- अर्द्धरात्रि में कोयल की चीख से कवि को क्या अंदेशा है?

उत्तर ६- अर्द्धरात्रि में कोयल द्वारा चीखने पर कवि को लगता है कि कोयल पागल हो गई है या फिर उसने जंगल की आग देखली है तात्पर्य, अंग्रेजों के अत्याचार भारतीयों की तबाही का कारण बन गए थे। भारतीयों की ख़ुशी तथा समृद्धि पर अंग्रेजों का कहर टूट पड़ा। भारतीयों की इस दशा तथा व्यथा को देखकर कोयल रो-रोकर तथा चीख-चीखकर मानवता की रक्षा की पुकार कर रही है।

प्रश्न ७- कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है?

उत्तर ७- कवि अपनी व कोयल की तुलना करते हुए कोयल को ही संबोधित करते हुए कहता है कि:-

- कोयल को हरी-भरी शाखाएँ मिली है।
- वह मुक्ताकाश में विचरण कर सकती है।
- वह मधुर गीतों का गायन कर यश प्राप्त कर सकती है।

जबकि कवि को-

- दस फुट की काली कोठरी में साँस लेनी पड़ती है।
- उसके आसूँ उसका अपराध बन जाते हैं तथा वह अंग्रेजों के अत्याचारों का शिकार बन जाता है।

इस प्रकार की असमानता देखकर उसे कोयल से ईर्ष्या होती है।

प्रश्न ८- कवि के स्मृति पटल पर कोयल के गीतों की कौन सी मधुर स्मृतियाँ अंकित हैं, जिन्हें वह अब नष्ट करने पर तुली है?

उत्तर ८- कोयल के सुमधुर गीतों की अमित छाप कवि के मानस पटल पर अंकित है उसे याद है कि कोयल अपनी मधुरता के ऐश्वर्य के रखवाली करने वाली है। सुबह के समय उसका सुमधुर गान सुनकर न केवल प्रकृति अपितु संपूर्ण प्राणी जगत भाव-विभोर हो जाता है। कैदियों की मनोव्यथा को देखकर कोयल चीखने लगती है। **उसकी कूक - हूक में परिवर्तित हो जाती है**। मधुरता और आनंद का रस घोलने वाली कोयल भारतीयों में विद्रोह के बीज बोने को तत्पर हो जाती है।

प्रश्न ९- 'हथकड़ियों' को गहना क्यों कहा गया है ?

उत्तर ९- देश की आन-बाण सुर शान पर मर मिटने वाले स्वतंत्रता सैनानियों ने अंग्रेजों के ज़ुल्मों-सितम को हँस-हँस कर सहा। अंग्रेजों के द्वारा दी गई यातनाएँ उनके लिए स्वतंत्रता का रास्ता थी। हथकड़ियों को उन्होंने अपना श्रृंगार बनाकर धारण किया तथा भारत माँ के सपूतों ने भारत-माँ के लिए अपने प्राणों को समर्पित कर दिया। मृत्यु की तरफ बढते उनके कदम भारत की स्वतंत्रता का उद्घोष करते प्रतीत होते थे।

प्रश्न १०- 'काली तू _____ ऐ आली।' इन पंक्तियों में काली शब्द की आवृती से उत्पन्न चमत्कार का विवेचन कीजिए।

उत्तर १०- उपरोक्त पंक्ति में काली शब्द -

1. अंधकार का
2. निराशा का
3. अंग्रेजों के काले कारनामों का
4. उनके कलुषित विचारों का
5. उनके अन्याय व अत्याचारों का
6. निराशा से परिपूर्ण कैदियों के अंधकारमय जीवन का
7. अंग्रेजों के काले शासन का प्रतीक है।

यमक अलंकार का सुन्दर प्रयोग करते हुए श्री माखनलाल चतुर्वेदी ने यह बताने का प्रयास किया है कि जब राष्ट्र अथवा राष्ट्र का शासन कलुषित हो, हमारी विचारधारा कलुषित हो तो संपूर्ण परिवेश, निराशा तथा पाप के अंधकार में डूब जाता है।

प्रश्न ११- काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

(क) ' किस दावानल की ज्वालाएँ हैं दिखीं? '

(क) उपरोक्त पंक्ति का भाव यह है कि कोयल ने ब्रिटिश साम्राज्य की अन्याय पूर्ण नीतियों और अत्याचारों को देखा है जो जंगल की आग की तरह भारतीयों के स्वाभिमान को नष्ट कर रहे है इसलिए कोयल व्यथित होकर चीख रही है।

शिल्प सौंदर्य

- मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया गया है। जैसे - क्या गाती हो, क्या लाती हो।
- अनुप्रास अलंकार का प्रयोग किया गया है। जैसे - दिन में करुणा क्यों जगे।
- प्रश्नालंकार का प्रयोग। जैसे - किस दावानल की ज्वालाएँ हैं देखी।
- तत्सम शब्दावली का प्रयोग किया गया है। जैसे - दावानल, अर्द्धरात्रि, कोकिला अदि।
- खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है।
- तुकांत शब्दों का प्रयोग पाठकों का मन मोह लेता है।

(ख) तेरे गीत कहावें वाह, रोना भी है मुझे गुनाह!

देख विषमता तेरी-मेरी, बजा रही है तिस पर रणभेरी!

(ख) कोयल व अपनी तुलना करते हुए कवि कहता है कि कोयल स्वतंत्र है। वह कहीं भी विचरण करती हुई मधुर गाना गा सकती है। उसके गीत उसके यश का कारण हैं जबकि देश के लिए मर-मिटने वाले स्वतंत्रता सैनानी अंग्रेजों के अत्याचारों को सहकर भी रोने का अधिकार नहीं रखते।

शिल्प सौंदर्य

- मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया गया है।
- सरल प्रवाह युक्त भाषा है।
- खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है।
- तुलनात्मक वर्णन द्वारा कवि ने स्वतंत्रता सैनानियों की व्यथा का वर्णन किया है।

प्रश्न १२- कवि लैल के आस-पास एनी पक्षियों का चहकना भी सुनता होगा लेकिन उसने कोकिला की ही बात क्यों की है ?

उत्तर १२- कवि कोयल और अपने आप में समानता का अनुभव करता है, सांत्वना देने वाला सदैव मन को भाता है। कोयल की मीठी वाणी कवि को सुख पहुँचाती है।इसके अतिरिक्त कालिमा युक्त कोयल उसे अपने काले जीवन के सामान लगती है। कोयल का केवल रंग काला है, जबकि कैदी की कोठरी, कंबल, जंजीरें अर्थात उसका संपूर्ण जीवन अन्याय व अत्याचारों की भेंट चढ़ चुका है। ऐसे में कोयल के दो मीठी बोल सुनकर वह उसे अपना दोस्त मानकर हर सुख-दुख का, परेशानी का वर्णन कर बैठता है।

प्रश्न १३- आपके विचार से स्वतंत्रता सैनानियों और अपराधियों के साथ एक-सा व्यवहार क्यों किया जाता होगा ?

उत्तर १३- अंग्रेजों के लिए उनके शासन के विरुद्ध आवाज़ उठाने वाला सबसे बड़ा अपराधी था उसका अपराध अक्षम्य था। उनके लिए चोर, डाकू, और स्वतंत्रता सैनानी एक सज़ा के हकदार थे। उनकी आवाज़ को दबाकर ही वह अपनी सुदृढ़ शासन अवस्था को कायम कर सकते थे।